

संस्कारधानी से प्रकाशित मध्यभारत व
छत्तीसगढ़ अंचल का सर्वप्रसारित
लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र

भारत सरकार व
छत्तीसगढ़ शासन से
विज्ञापन के लिए अधिकृत

वर्ष- 43

अंक - 281

दैनिक प्रातः संस्करण



आर.एन.आई.नं. 58841/93

डाक पंजीयन छ.ग./दुर्ग/14/2024-26

दैनिक

सम्पादक - दीपक कुमार बुद्धदेव

राजनांदगांव, शनिवार 31 अगस्त 2024

स्वस्ति काँफर

& स्फीन प्रिंट

उत्कृष्ट पर्याप्त
कलात्मक
छपाई हेतु...

पता : बलदेव वाग, राजनांदगांव मो. 93004-14726

पृष्ठ - 8

मूल्य - 4.00 रुपए

गुजरात के कच्छ और भुज के साथ पाकिस्तान में कहर बरपाएगा 'अस्त्रा'; 48 साल बाद आया साइपलोन मचाएगा तबाही !

अहमदाबाद। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने कहा कि गुजरात में मूलाधार बांध और बाढ़ का कारण बना गहरा दबाव शुक्रवार को कच्छ के तट और पाकिस्तान के आस-पास के इलाकों में चक्रवात असना में बदल गया। 1976 के बाद अगस्त में अब सारा में यह पहला चक्रवाती तृप्तन है। जिसे असना नाम पाकिस्तान ने दिया है।

1891 से 2023 के बीच अगस्त में स्थिर तीन तृप्तन



बाढ़, चक्रवाती तृप्तन असना में तब्दील हो गया और भुज (गुजरात) से 190 किलोमीटर पश्चिम-उत्तरपश्चिम में उसी बीत्र में 1130 बजे केंद्रित हो गया।

भारी बारिश से सबसे अधिक

वडोदरा शहर हुआ प्रभावित

राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र (एसीएमडी) के अनुसार, कुछ मामलों में सुखा बनने ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर

पहुंचाने के लिए हेलीकोप्टरों का इस्तेमाल किया। हाल ही में हुई भारी बारिश से सबसे अधिक प्रभावित शहर बोंदोरा में कुछ गहरा मिली, ब्यांकिंग विश्वासी नदी का जलस्तर सुबर 37 फीट से घटकर 32 फीट रख गया। हालांकि, कई निचले इलाकों में अभी भी बाढ़ का पानी भरा हुआ है।

जबकि मंगलवार की सुबह भारी बारिश और अजवां बांध से पानी छोड़े जाने के बाद नदी का जलस्तर 25 फीट के खतरे के निशान को पार कर गया था।

आईएमडी के अनुसार, 1891 से 2023 के बीच आस्त के दौरान अख भासा में केवल तीन चक्रवाती तृप्तन आए। (1976, 1964 और 1944 में।) 1976 का चक्रवात ओडिशा से शुरू हुआ, पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बहना जारी रखेगा। बता दें कि गुजरात में विश्वेश चार दिनों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 26 लोगों की जान चली गई है। गज्य में बाढ़ प्रभावित इलाकों से 18 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर बर्हाया गया है और लगभग 1,200 लोगों को बचाया गया है।

1891 से 2023 के बीच अगस्त में स्थिर तीन तृप्तन

तट के पास एक और अल्पकालिक चक्रवात विकसित हुआ और तट के पास कमज़ोर पड़ गया।

अख भासा गर्व दबाव बना गहरा

दबाव बना असना

अईएमडी ने कहा कि कच्छ तट और पाकिस्तान के आस-पास के इलाकों और पूर्वोत्तर अख भासा में बाढ़ का तट और असना तट के पास उत्तर-पश्चिम अख भासा में प्रवेश किया, एक लूपिंग ट्रैक का अनुसरण किया और औसतन तट के पास उत्तर-पश्चिम अख भासा में कमज़ोर पड़ गया। 1944 का चक्रवात असना में बदल गया। 1976 का बाद अगस्त में अब भासा में उभरने के बाद कमज़ोर पड़ने से

पहुंचाने के लिए हेलीकोप्टरों का इस्तेमाल किया।

हाल ही में हुई भारी बारिश से सबसे अधिक प्रभावित शहर बोंदोरा में कुछ गहरा मिली, ब्यांकिंग विश्वासी नदी का जलस्तर सुबर 37 फीट से घटकर 32 फीट रख गया। हालांकि, कई निचले इलाकों में अभी भी बाढ़ का पानी भरा हुआ है।

जबकि मंगलवार की सुबह भारी बारिश और अजवां बांध से पानी छोड़े जाने के बाद नदी का जलस्तर 25 फीट के खतरे के निशान को पार कर गया था।

भाजपा के हुए कोल्हान टाइगर, पूर्व सीएम चंपई सोरेन को शिवराज और हिमंता ने दिलाई सदस्यता

मध्यम वैकल्पिक भाजपा को जारी किया

